सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 254 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 23 अक्टूबर, 2025

यदि आप सौ लोगो को नहीं खिला सकते तो एक को ही खिलाइए।
-मदर टेरेसा

मूल्य ₹ 3/-

जिबावे की अफगानिस्तान पर ऐतिहासिक... 7 | बंगाल में चुनावी सरगर्मी में उठा... 3 | बीजेपी के डबल इंजन के मुकाबले... 2

बिहार की राजनीति में संविदा का तूफान, तेजस्वी का एलान

'बिहार में कोई अस्थायी नहीं रहेगा, चाहे नौकरी हो या उम्मीद'

» तेजस्वी सीएम चेहरा तो मुकेश साहनी होंगे डिप्टी सीएम फेस

» मुकेश के सहारे मल्लाह निषाद, साहनी, मुसहर जैसे पिछड़े वर्गों से महागठबंधन का सीधा संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटन। आज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुलाकात के बाद यह साफ कर दिया कि इंडिया गठबंधन के पोस्टर ब्वाय तेजस्वी यादव होंगे और उनके ही नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। तेजस्वी सीएम पद के दावेदार होंगे और वीआईपी पार्टी के मुखिया मुकेश साहनी डिप्टी सीएम पद का चेहरा होंगे।

आज के इस एलान से बिहार की राजनीतिक हवा बदल गयी है और नीतिश कुमार की वर्षों की संतुलन राजनीति और भाजपा के संघ समीकरण वाली रणनीति दोनों एक झटके में हिल चुकी है। आज इंडिया गठबंधन के मंच पर सिर्फ घोषणाएं नहीं हुयीं बल्कि घोषणा पत्र का पहला अध्याय भी खुल गया। तेजस्वी की आवाज में आज एक नई दृढ़ता दिखी उन्होंने साफ कहा कि अब बिहार में कोई अस्थायी नहीं रहेगा, चाहे नौकरी हो या उम्मीद। इस एक वाक्य ने बिहारी सियासत का पूरा बैलेंस ही बिगाड़ दिया। क्योंकि तेजस्वी का यह वादा सिर्फ सरकारी कर्मचारियों से नहीं था यह हर बेरोजगार नौजवान, हर अस्थायी शिक्षक, हर अनुबंधित नर्स और हर डेलीवेज मजदूर से संवाद था।

"एक वाक्य ने बिहारी सियासत का पूरा बैलेंस ही बिगाड़ दिया"

पटना में हवा बदली है

अब चर्चा सिर्फ कौन बनेगा मुख्यमंत्री की नहीं बल्कि कौन देगा रोजगार और इज्जत की है। मुकेश साहनी, उदय नारायण चौधरी, मनोज झा, और कांग्रेस के अजीत शर्मा का हौसला बता रहा था कि इस बार महागठबंधन तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ने वाला।

सभी दल एक मंच पर

आज इंडिया गठबंधन की प्रेस कांफ्रेंस में राजद, कांग्रेस, वीआइपी, माले, सीपीआई और सीपीएम समेत सभी सहयोगी दलों के प्रमुख नेता एक मंच पर मौजूद रहे। सभी नेताओं ने कहा कि बिहार में जनता अब बदलाव चाहती है और वह बदलाव केवल तेजस्वी यादव के नेतृत्व में ही संभव है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस महागठबंधन की मजबूती के साथ खड़ी है। हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं बल्कि उस व्यवस्था से है जिसने बिहार को पिछड़ेपन में धकेला है।

तेजस्वी की ओर 4-7 परसेंट का स्विंग

2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 37.3 फीसदी वोट मिले थे जबकि इंडिया गठबंधन को 37.2 फीसदी वोट हासिल हुए थे। यानी कि हार जीत के बीच सिर्फ 0.1 फीसदी का अंतर था।

इस बार अगर संविदाकर्मियों और युवा मतदाताओं का 2-3 फीसदी झुकाव भी महागठबंधन की ओर हो जाता है तो नतीजे पूरी तरह पलट सकते हैं। इसके अलावा मुकेश साहनी को डिप्टी सीएम बनाना भी जातीय समीकरणों का मास्टरस्ट्रोक है। 2020 में वीआईपी पार्टी को लगभग 3 फीसदी वोट मिले थे जोकि इस बार सीधे राजद के खाते में जा सकते हैं। यही नहीं इससे भाजपा के पारंपरिक निषाद वोट बैंक में सेंध लगने की पूरी संभावना है।

उखाड़ कर फेंक देंगे

मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मैं सभी दलों के विश्वास और समर्थन के लिए आभारी हूं। बिहार को बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार से मुक्त करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। हम युवाओं को अवसर देंगे किसानों को सम्मान और गरीबों को हक। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन अब सिर्फ राजनीतिक गठबंधन नहीं बल्कि बिहार के भविष्य का साझा विजन है। मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद की घोषणा को सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब कोई समाज उपेक्षित महसूस नहीं करेगा। हम सब मिलकर बिहार को विकास की राह पर ले जाएंगे। प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद नेताओं ने एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा।

मल्लाह-निषाद को साधने की कोशिश

आज का तेजस्वी का यह दांव सीधा-सीधा महागठबंधन को एकीकृत और एनडीए को विचलित करने वाला है। राजद के पारंपरिक वोट बैंक के साथ अब रोजगार और स्थायित्व का वादा जुड़ गया है। वहीं मुकेश साहनी को डिप्टी सीएम घोषित कर तेजस्वी ने मल्लाह, निषाद, साहनी, मुसहर जैसे पिछड़े वर्गों में सीधा संदेश दिया है कि यह गठबंधन अब सिर्फ यादव/मुस्लिम नहीं बल्कि हर तबके की आवाज है।

तेजस्वी का वादा बन गया आंधी

राजनीति के इस मंच से निकला यह एक वाक्य एनडीए के लिए आंधी बन गया। भाजपा नेताओं के बयान आने लगे कोई इसे झूटे सपनों का जाल बता रहा है तो कोई बजट की बर्बादी लेकिन सच यह है कि तेजस्वी ने पहली बार बिहार के सबसे बड़े वोट बैंक युवाओं और कर्मचारियों के दिल पर हाथ रख दिया है। तेजस्वी की इस आंधी को रोकने के लिए केंद्र ने भी तुरुप का पत्ता फेंका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुरंत मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के जरिए बिहार के हर बूथ स्तर के कार्यकर्ता से वर्चुअल संवाद करने का ऐलान किया। यानी दिल्ली ने भी अब सियासी कमान अपने हाथों में ले ली है। क्योंकि पीएम मोदी जानते हैं कि बिहार सिर्फ एक राज्य नहीं बल्कि मौजूदा सरकार को बचाए रखने के लिए और 2029 के रास्ते का एक दरवाजा है।

बीजेपी के डबल इंजन के मुकाबले अखिलेश यादव का प्रबल इंजन

» सपा के पोस्टर से मची सियासी हलचल

» लखनऊ में लगा नये नारे का पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के 52वें जन्मदिन पर एक बार फिर से सपा कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। इस पोस्टर में बीजेपी की डबल इंजन सरकार का जवाब प्रबल इंजन की सरकार के नारे से दिया गया है।

आपको बता दें कि अखिलेश यादव का कागजी जन्मदिन 1 जुलाई को पड़ता है वहीं अखिलेश यादव का असली जन्मदिन आज 23 अक्टूबर को उनके जानने वाले मनाते हैं। यह पोस्टर समाजवादी पार्टी के नेता जयराम पांडे ने लगाया है, जो संत कबीर नगर की मेंहदावल विधानसभा सीट से प्रत्याशी रह चुके हैं। गौरतलब है कि जयराम पांडे के पोस्टर पहले भी चर्चा में रह चुके हैं. साल 2022 विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने आ रहा हूं स्लोगन वाला पोस्टर लगाया था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था इस बार फिर से डबल इंजन के सरकार का जवाब प्रबल इंजन से देकर उन्होंने राजनीति में एक नई चर्चा शुरू कर दी है।

संस्कृत के एक श्लोक के माध्यम से दी शुभकामनाएं

इस पोस्टर पर अखिलेश यादव को संस्कृत के एक श्लोक के माध्यम से शुभकामनाएं भी दी गई हैं जिसमें लिखा है अद्रोहः सर्वभूतेषु कर्मणा मनसा गिरा. अनुग्रहश्च दानं च, शीलमेतद् विदुर्बुधा।। जन्मदिवसस्य अनेकशः शुभकामनाः। जिसका मतलब है जो व्यक्ति सभी प्राणियों के प्रति कर्म, मन और वाणी से अद्रोह (किसी के प्रति वैर या द्वेष न रखना) करता है, तथा अनुग्रह (दयालुता) और दान (सहायता या उदारता) करता है, बुद्धिमान लोग ऐसे आचरण को ही सच्चा शील (चरित्र या सद्गुण) मानते हैं। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

पोस्टर में अखिलेश यादव रेलगाड़ी के इंजन में बैठे हैं

इस पोस्टर में अखिलेश यादव को रेलगाड़ी के इंजन में बैठे हुए दिखाया गया है, जिस पर लिखा है समाजवादी पार्टी - एक इंजन, मजबूत इंजन ट्रेन के पीछे जुड़े डिब्बों में अखिलेश यादव के कार्यकाल की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों को दर्शाया गया है, जैसे - मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, डायल 100 सेवा, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, लखनऊ मेट्रो, समाजवादी पेंशन योजना, कन्या विद्याधन, शादी अनुदान और लैपटॉप योजना।

सपा के वॉट्सएप ग्रुप में अश्लील वीडियो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हापुड़। हापुड़ जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़ा वॉट्सएप ग्रुप समाजवादी पार्टी परिवार बुधवार देर रात सुर्खियों में आ गया। उस ग्रुप में अश्लील वीडियो और एक आपत्तिजनक ऑडियो क्लिप वायरल हो गई। इससे चंद मिनटों में ही ग्रुप में अफरातफरी मच गई। महिला और पुरुष कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को कॉल करके जानकारी करनी शुरू कर दी। सवाल उठाने लगे कि यह किसने भेज दिया?, इसको तुरंत हटाओ! और ऐसी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी! आदि।

» समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओं में मचा हड़कंप

वीडियो वायरल होते ही इस ग्रुप के स्क्रीनशॉट अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम और अन्य वॉट्सएप ग्रुप पर वायरल होने लगे। यह समाजवादी पार्टी परिवार नाम वाले ग्रुप में सपा के जिला, नगर और ब्लाक स्तर के ज्यादातर पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हैं। देर रात अचानक एक कार्यकर्ता के नंबर से पहले एक अश्लील वीडियो और फिर एक महिला की आवाज में आपत्तिजनक ऑडियो क्लिप डाली गई। इससे कुछ क्षणों के लिए सभी कार्यकर्ता स्तब्ध रह गए। फिर धीरे-धीरे ग्रुप में हंगामा मचना शुरू हो गया। घटना के बाद एडमिन ने समाजवादी पार्टी परिवार ग्रुप को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इसके साथ ही सभी सदस्यों से सोशल मीडिया पर संयम बरतने और अफवाह न फैलाने की अपील की है। फिलहाल यह मामला सपा के विभिन्न ग्रुप पर छाया हुआ है। विपक्षी दलों ने भी इस कांड पर तंज कसना शुरू कर दिए हैं। वहीं सपा कार्यकर्ता एक सुर में दोषी पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

हाईकमान को भेज दी रिपोर्ट

यह पार्टी का अधिकारिक ग्रुप नहीं है, लेकिन इस ग्रुप के एडमिन सपा के वरिष्ठ नेता हैं और पहले सपा के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। पार्टी की छवि धुमिल करने के लिए उनका जवाब तलब किया गया है। तीन दिन में उनको अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी। इसके साथ ही पूरे मामले की जानकारी प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों को भेज दी गई है। ग्रुप के एडमिन तेजपाल प्रमुख पर कार्रवाई की तलवार लटकी है। यदि कोई और सपा सदस्य इस मामले में शामिल पाया गया तो उसे तुरंत पार्टी से निष्कासित किया जाएगा।

एडमिन बोले- साइबर सेल को उस नंबर की जांच सौंपी गई

मामले की गंभीरता को देखते हुए सपा जिला संगठन ने ग्रुप एडमिन से रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही, साइबर सेल को उस नंबर की जांच सौंपी गई है, जिससे वीडियो भेजे गए थे। सूत्रों के मुताबिक, वीडियो भेजने वाले नंबर को फिलहाल ग्रुप से हटा दिया गया है। वरिष्ठ सपा नेताओं का कहना है कि यह घटना पार्टी की अनुशासन नीति पर बड़ा धब्बा है और दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा नेता की दबंगई : व्यापारी को नाक रगड़वाने की घटना पर कोहराम

» किसान मोर्चा की जिला इकाई के उपाध्यक्ष विकुल चपराणा की करतूत

» नेता बर्खास्त, विपक्ष हमलावर सरकार की साख पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ के तेजगढ़ी चौराहे पर कपड़ा व्यापारी से अभद्रता कर सड़क पर नाक रगड़वाने के आरोप में घिरे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा की जिला इकाई के उपाध्यक्ष विकुल चपराणा के खिलाफ पार्टी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सभी पदों से हटा दिया है। किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने बुधवार को आदेश जारी कर विकुल को सभी पदों से तत्काल प्रभाव से हटाते हुए उनकी प्राथमिक सदस्यता भी निलंबित कर दी।

इस मामले में पुलिस ने विकुल के तीन सहयोगियों हैप्पी भड़ाना, आयुष शर्मा और सुबोध यादव को भी देर रात गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य की तलाश जारी है। अधिकारियों के अनुसार, इनके खिलाफ दर्ज मुकदमे में मार्ग अवरुद्ध करने और वाहन में तोड़फोड़ करने की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि व्यापारी सत्यम रस्तोगी से नाक रगड़वाकर माफी मंगवाने की घटना की जांच पुलिस अधीक्षक (नगर) को सौंपी गई है। विकुल को गिरफ्तारी के बाद अदालत से जमानत मिल गई थी। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने अपने पत्र में लिखा है कि विकुल का यह आचरण पार्टी की मर्यादा और अनुशासन के विरुद्ध है तथा यह ''आपराधिक मानसिकता'' को दर्शाता है। घटना के बाद विपक्षी दलों और व्यापारिक संगठनों ने भी मोर्चा खोल दिया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर से इस्तीफे की मांग की है, जिनका नाम विकुल ने वीडियो में लिया था।

पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद हो गया, जो बाद में इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया और पुलिस ने देर रात विकुल के खिलाफ कार्रवाई कर मामला दर्ज किया। हालांकि, व्यापारी सत्यम रस्तोगी ने बाद में कहा कि वह पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट हैं और उनका किसी से व्यक्तिगत विवाद नहीं है।

आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लगाएं : विपिन चौधरी

सपा के प्रदेश सचिव विपिन चौधरी और वरिष्ठ नेता मुखिया गुर्जर ने प्रदर्शन कर आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लगाने की मांग की है। मेरठ व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जीतू सिंह नागपाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि व्यापारी वर्ग में भय का वातावरण समाप्त हो। तेजगढ़ी चौराहे पर एक रेस्तरां के बाहर 19 अक्टूबर रात वाहन पार्क करने को लेकर व्यापारी सत्यम रस्तोगी का भाजपा नेता विकुल चपराणा से विवाद हो गया था, जिसके बाद विकुल ने व्यापारी से जबरन नाक रगड़वाकर माफी मंगवाई।

बसपा नेता शमशुद्दीन राईन पार्टी से बर्खास्त

» लखनऊ व कानपुर मंडल के थे प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा ने गुटबाजी व अनुशासनहीनता के आरोप में शमशुद्दीन राईन को पार्टी से बर्खास्त कर दिया गया है। वह लखनऊ व कानपुर मंडल के प्रभारी थे। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष ने बयान जारी कर दिया गया है।

जारी किए गए बयान में कहा गया है कि राईन पार्टी में गुटबाजी और अनुशासनहीनता कर रहे थे। उन्हें इस संबंध में चेतावनी भी दी गई लेकिन उन्होंने कार्यशैली में सुधार नहीं किया। ऐसे में उन्हें बसपा से निष्कासित कर दिया गया है। बता दें कि बसपा सुप्रीमो मायावती लखनऊ में नौ अक्तूबर को हुई रैली के बाद काफी सक्रिय नजर आ रही हैं। वह यूपी चुनाव को लेकर पदाधिकारियों की बैठक कर चुकी हैं और अब बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगी। लखनऊ में हुई रैली में उन्होंने बसपा कार्यकर्ताओं से यूपी चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए बसपा कार्यकर्ताओं को जुट जाना चाहिए। वहीं, कहा ये भी जा रहा है कि वह बिहार में कई रैलियों को संबोधित कर सकती हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

नवंबर में बिहार को मथेंगी बसपा प्रमुख मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छह नवंबर से चुनाव प्रचार का करेंगी आगाज, रैली भी कर सकती हैं

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती पूरे बिहार को मथेंगी। आगामी छह नवंबर से बिहार चुनाव में अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं। वह छह नवंबर को भभुवा हवाई अड्डे के मैदान में रामगढ़ और कैमूर सीट के प्रत्याशियों के समर्थन में वोट देने की अपील करेंगी।

पार्टी संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर राजधानी में आयोजित रैली में लाखों लोगों के जुटने के बाद बिहार चुनाव में मायावती की रैलियों की डिमांड की जा रही है। सूत्रों का कहना है पार्टी द्वारा बिहार चुनाव के लिए मायावती की करीब दो दर्जन रैलियों को आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे पहले पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद अपनी बिहार यात्रा के जरिये पार्टी की सफलता के लिए जमीन तैयार कर चुके हैं। अब मायावती की रैलियों के आयोजन के बाद बिहार में दलित वोट बैंक को अपने पाले में करने की कवायद की जा रही है। बिहार चुनाव के लिए पार्टी ने अपने 40 स्टार प्रचारक मैदान में उतारे हैं, जिनमें से मायावती की रैलियों की सबसे ज्यादा डिमांड की जा रही है। इसके अलावा आकाश आनंद और केंद्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम और डॉ. लालजी मेधंकर भी प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं कर रहे हैं। पार्टी ने अब तक अपने 128 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर चुकी है।

आकाश से विस्तृत चर्चा की

बसपा सुप्रीमो ने बीती 16 अक्तूबर को राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों की बैठक के बाद राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद से बिहार चुनाव की तैयारियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान आकाश ने उन्हें बिहार के हालिया राजनीतिक समीकरणों के साथ बसपा की स्थिति के बारे में रिपोर्ट सौंपी। सूत्रों के मुताबिक इस रिपोर्ट में बिहार चुनाव में इंडी गठबंधन में अनबन और प्रशांत किशोर की पार्टी द्वारा वोटों को प्रभावित करने के बारे में बताया गया, जिसके बाद मायावती ने बूथ स्तर पर ही पूरा फोकस करने का निर्देश दिया।

बिहार में सियासी रार बरकरार

दोनों गठबंधन विस जीत के लिए तैयार

- पप्पू यादव का एनडीए पर वार
- बिहार में मोदी-राहुल की सीधी टक्कर
- चिराग बोले- फिर वापसी करेगा एनडीए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सियासी रार अब भी जारी है। चिराग से लेकर पप्पू यादव तक अपनी-अपनी ढपली बजा रहे हैं। दोनों नेता अपने-अपने गठबंधनों की जीत के दावे कर रहे हैं। वहीं दोनों नेता अपनी ही पार्टियों की आलोचना करने में भी पीछे नहीं हट रहे हैं। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उचित सम्मान नहीं दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच सीधी टक्कर के रूप में देखा जा रहा है।

पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार को उचित सम्मान नहीं दे रहा है, लोग इस बिहार चुनाव को प्रधानमंत्री मोदी बनाम राहुल गांधी के रूप में देख रहे हैं और इससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन को फायदा होगा... मैं कांग्रेस की विचारधारा के साथ खड़ा हूं। अपने राजनीतिक रुख को स्पष्ट करते हुए यादव ने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी में नहीं हूँ, बल्कि पार्टी का एक सहयोगी सदस्य हूँ। मुझे नहीं पता कि दीपांकर जी क्या सोचते हैं। मैं केवल इतना जानता हूं कि मैं कांग्रेस की विचारधारा के साथ खड़ा हूं। महागठबंधन के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए निर्दलीय सांसद ने कहा, हम चाहते हैं कि बिहार में इंडिया गठबंधन बने। मेरा स्पष्ट मत है कि हमें हर हाल में राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना होगा। इस चुनाव में एक तरफ राहुल गांधी हैं और दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी। इस चुनाव में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत : पप्पू

इस बीच, आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत का विश्वास जताते हुए पप्पू यादव ने कहा कि राज्य की जनता महागठबंधन के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि पूरी जनता एक तरफ है। सभी लोग महागठबंधन के साथ खड़े हैं। महागठबंधन की ही सरकार बनेगी। जब जनता एकजुट होगी, तो वह सभी को एकजुट करेगी।

दोनों गठबंधनों ने जीत के दावे किए

दोनों गठबंधनों ने जीत के दावे किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले महागठबंधन में कांग्रेस पार्टी, दीपांकर भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (सीपीआई-एमएल), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (सीपीएम) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। एनडीए गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल (यूनाइटेड)जेडी(यू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) एलजेपी (आरवी), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) एचएएम(एस), और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) शामिल हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होंगे जबकि मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा

बिहार चुनाव का असर अब झारखंड में भी दिखाई देने लग है। विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा अब हिस्सा नहीं लेगी। इस बड़े राजनीतिक फैसले की घोषणा झारखंड सरकार में नगर विकास मंत्री एवं बिहार चुनाव प्रभारी सुदिव्य कुमार सोनू ने की। उन्होंने तीखे लहजे में कहा कि बहुत दुख और आक्रोश के साथ कहना पड़ रहा है कि राजद और कांग्रेस ने झामुमो के साथ खुला राजनीतिक धोखा किया है। गठबंधन के नाम पर हमें अंधेरे में रखा गया, और हमारी हिस्सेदारी को साजिश के तहत कुचल दिया गया। झामुमो की प्रतिबद्धता और समर्पण के बावजूद हमारे साथ धूर्तता की गई। सोनू ने कहा कि झामुमो ने हमेशा गठबंधन धर्म निभाया है। 2019 में जब हेमंत सोरेन की सरकार बनी तो राजद के एक विधायक को मंत्री पद देकर हमने अपनी प्रतिबद्धता साबित की। 2020 के चुनाव में भी झामुमो ने गठबंधन को मजबूती दी। लेकिन आज वही राजद और कांग्रेस अपने स्वार्थ में अंधे होकर हमें दरकिनार कर गए। उन्होंने कहा कि राजद नेतृत्व की यह राजनीतिक चालबाजी और धूर्तता सिर्फ झामुमो के साथ नहीं, बल्कि झारखंड की जनता और आदिवासी अस्मिता के साथ विश्वासघात है। यह झारखंड की आत्मा को चोट पहुंचाने वाला कदम है। इस राजनीतिक छल का जवाब आने वाले दिनों में जरूर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में झामुमो इंडिया गठबंधन का मजबूत स्तंभ बन सकता था, लेकिन उसे षड्यंत्रपूर्वक कमजोर किया गया। अब समय आ गया है कि झारखंड में गठबंधन की समीक्षा हो और सच्चे साथियों की पहचान की जाए, उन्होंने कहा। कि धोखे की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती, अब हिसाब जरूर होगा। यह धोखा झारखंड के आदिवासियों के साथ राजद और कांग्रेस ने किया है। झारखंड के आदिवासी इसे काभी नहीं भूलेंगे।

बंगाल में चुनावी सरगर्मी में उठा हिलोर

ममता ने बनाई रणनीति, बीजेपी ने निकाली काट

- भाजपा व टीएमसी ने कसी कमर
- अगले साल होने हैं विधानसभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में चुनावी सरगर्मी अभी से हिलोर मारने लगी है। बीजेपी से लेकर टीएमसी तक ने अपने-अपने तीर-तरकस कसने शुरू कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस ली है। बीजेपी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाने के लिए एक ऐसी रणनीति तैयार की है जो लोगों से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है।

खासकर महिलाओं की सुरक्षा पर जोर दिया जाएगा। यह रणनीति किसी व्यक्ति विशेष पर हमला करने के बजाय जनता की समस्याओं को उठाने पर आधारित है।

दलबदलुओं पर निर्भरता नहीं

सूत्रों ने बताया कि बीजेपी एक और विचार पर विचार कर रही है कि दलबदलुओं पर निर्भर रहने के बजाय अपने ही नेताओं से अधिक उम्मीदवार उतारे जाएं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले विधानसभा चुनावों से सबक लिया गया है। अवैध घुसपैठिए के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बीजेपी बांग्लादेश में हाल ही में हुए उथल-पुथल को अपने चुनावी विमर्श में शामिल करने की योजना बना रही है। जिसमें हिंदू मंदिरों और रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर हमले भी शामिल हैं।

दलित चेहरों पर खास फोकस

पार्टी नेताओं ने बताया कि इन घटनाक्रमों के मद्देनजर अभियान बंगाली संस्कृति और पहचान पर केंद्रित होगा। बीजेपी अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए शांतनु ठाकुर और निसिथ प्रमाणिक पर भरोसा कर रही है। जो उत्तर बंगाल के दो प्रमुख अनुसूचित जाति समूहों मतुआ और राजबंशी समुदायों के प्रमुख चेहरे हैं। बीजेपी महिष्य समुदाय पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसकी दक्षिण बंगाल में मजबूत उपस्थिति है।

बीजेपी का प्लान?

सूत्रों ने बताया कि 2019 के बंगाल विधानसभा चुनावों से सीख लेते हुए बीजेपी केवल ममता बनर्जी पर हमला करने के बजाय अब जनता से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही है। सूत्रों ने बताया कि इस रणनीति के तहत सभी मतदान केंद्रों खासकर लगभग 80 मुस्लिम बहुल सीटों पर बीजेपी की मजबूती सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि पार्टी तृणमूल शासन के दौरान शासन की कमी, महिलाओं की सुरक्षा और ममता सरकार के मंत्रियों के भ्रष्टाचार को उजागर करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नवाचार से बढ़ेगी राजमार्गों पर स्वच्छता जागरूकता

भारत में राजमार्गों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसी के साथ इन पर गंदगी भी बढ़ती जा रही है। बड़े-बड़े शहरों के करीब इसके बड़े-बड़े अंबार देखने के मिलते हैं। ये उस शहर की खूबसूरती पर काला धब्बा लगाते हैं। इसी करे खतम करने की पहल एनएचएआइ ने किया है। राजमार्गों में गंदे टॉयलेट की सूचना देने पर एनएचएआइ द्वारा इनाम देने की पहल सराहनीय है। इससे गंदे टॉयलेट तुरंत साफ किए जा सकते हैं और सूचना देने वाले को पुरस्कार मिलने से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ती है। हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी निभा सकता है। यह नवाचार नगर परिषद और नगरपालिकाओं में सार्वजनिक शौचालयों को साफ रखने के लिए भी प्रभावी है, जिससे सुलभ शौचालय हमेशा साफ-सुथरे रहेंगे। एनएचएआई की पहल यात्रियों में जागरूकता बढ़ाएगी और टॉयलेट संचालकों पर स्वच्छता बनाए रखने का दबाव बनेगा। हालांकि, केवल इनाम से दीर्घकालिक प्रभाव नहीं आएगा।

नियमित निरीक्षण, दंड और रखरखाव की ठोस व्यवस्था जरूरी है। इससे स्वच्छता स्थायी रूप से सुनिश्चित होगी। यात्रियों और संचालकों दोनों के लिए यह जिम्मेदारी जरूरी है ताकि राजमार्गों पर सफाई लगातार बनी रहे और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम हों। राजमार्गों पर गंदे टॉयलेट की सूचना देने की पहल स्वच्छ भारत मिशन को मजबूत करने वाली है। यह पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ लागू होनी चाहिए। यात्रियों को साफ सफाई बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करेगी और पेट्रोल पंप/ढाबा मालिक अपने टॉयलेट साफ रखने के लिए अधिक जिम्मेदार होंगे। साफ टॉयलेट से महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा और आराम मिलेगा। जनता को इसमें शामिल करना जागरूकता बढ़ाएगा और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। गंदे टॉयलेट की सूचना देने पर इनाम देने की योजना केवल 31 अक्टूबर तक है। प्रक्रिया कठिन है और हर कोई स्मार्टफोन इस्तेमाल नहीं कर सकता। कीपैड फोन से भी आसान सूचना व्यवस्था होनी चाहिए। जनता को जागरूक किया जाना चाहिए और योजना स्थायी रूप से लागू होनी चाहिए। इससे शौचालय साफ रहेंगे, संक्रमण नहीं फैलेगा और गरीब, अनपढ़ या आम आदमी भी आसानी से सूचना देकर इनाम पा सकेगा। राजमार्गों पर स्वच्छता बनाए रखना न केवल सौंदर्य का प्रश्न है, बल्कि यह जनस्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों से जुड़ा हुआ विषय है। जब यात्रियों को साफ-सुथरे टॉयलेट उपलब्ध होंगे, तो वे सड़क यात्रा को अधिक सुरक्षित और आरामदायक महसूस करेंगे। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि विदेशी और देशी पर्यटक दोनों ही स्वच्छ सुविधाओं की अपेक्षा रखते हैं।

“ हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी निभा सकता है। यह नवाचार नगर परिषद और नगरपालिकाओं में सार्वजनिक शौचालयों को साफ रखने के लिए भी प्रभावी है, जिससे सुलभ शौचालय हमेशा साफ-सुथरे रहेंगे। एनएचएआई की पहल यात्रियों में जागरूकता बढ़ाएगी और टॉयलेट संचालकों पर स्वच्छता बनाए रखने का दबाव बनेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पाक की बेचैनी की वजह बने सुधरते रिश्ते

के.एस. तोमर

भारत का काबुल में अपने तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास में बदलने का निर्णय और विदेशमंत्री एस. जयशंकर की अफ़ग़ान विदेशमंत्री अमीर ख़ान मुत्ताक़ी से हुई मुलाक़ात दक्षिण एशिया की जटिल कूटनीति में एक अहम मोड़ का संकेत है। यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी है, परंतु यह पहल क्षेत्रीय परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन में हो रहे बदलावों के अनुरूप एक व्यावहारिक क़दम माना जा रहा है। मुत्ताक़ी द्वारा भारत की संप्रभुता, विशेषकर कश्मीर के संदर्भ में, खुले समर्थन ने पाकिस्तान की नींदें उड़ा दी हैं और भारत-अफ़ग़ान रिश्तों को नई गति दी है। मान्यता का प्रश्न नैतिक और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा हुआ है, परंतु अब इस संवाद का भू-राजनीतिक वज़न पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है, जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना नहीं की थी।

तालिबान को मान्यता देने की दुविधा भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है—अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को उस तालिबान शासन से जोड़ना जिसकी नीति महिलाओं, अल्पसंख्यकों और शिक्षा के अधिकारों के प्रति दमनकारी रही है। तालिबान का रिकॉर्ड भारत की बहुलतावादी और मानवाधिकार-आधारित परंपरा से मेल नहीं खाता। तालिबान के पाकिस्तान की आईएसआई और आतंकी गुटों—हक्कानी नेटवर्क, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद—से पुराने रिश्ते भारत को सतर्क बनाए हुए हैं। मुत्ताक़ी के आश्वासनों के बावजूद नई दिल्ली का भरोसा सीमित है, विशेषकर तब जब पाकिस्तान में सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) विचारधारा के स्तर पर अफ़ग़ान तालिबान से निकटता रखती है। इसके अलावा, तालिबान को मान्यता देने से भारत विश्व समुदाय के अधिकांश देशों से अलग-थलग पड़ सकता है। रूस को छोड़कर किसी प्रमुख शक्ति ने तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी है। अफ़ग़ान विदेशमंत्री मुत्ताक़ी की भारत यात्रा और कश्मीर पर आए संयुक्त बयान के बाद पाकिस्तान ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

इस्लामाबाद ने आरोप लगाया कि अफ़ग़ानिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का उल्लंघन किया है और काबुल में भारतीय झुकाव को लेकर विरोध जताया। दरअसल, पाकिस्तान की यह प्रतिक्रिया उसके घटते प्रभाव की झलक है। तालिबान शासन और पाकिस्तान के रिश्ते सीमावर्ती संघर्षों और टीटीपी की बढ़ती ताक़त के कारण

तनावपूर्ण हो चुके हैं। मुत्ताक़ी का यह बयान कि 'पाकिस्तान में कुछ तत्व जानबूझकर समस्याएं पैदा कर रहे हैं' और 'अगर पाकिस्तान शांति नहीं चाहता तो अफ़ग़ानिस्तान के पास और विकल्प हैं'—काबुल की नई आत्मविश्वासपूर्ण नीति को रेखांकित करता है। यह संकेत है कि तालिबान अब स्वयं को स्वतंत्र सत्ता के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। भारत-अफ़ग़ानिस्तान की बढ़ती निकटता पाकिस्तान की क्षेत्रीय बढ़त को कमजोर कर रही है। भारत-अफ़ग़ान संयुक्त बयान में कश्मीर का उल्लेख पाकिस्तान की 'मुस्लिम विश्व में नेतृत्व' की छवि को भी चोट पहुंचाता है। चीन ने अफ़ग़ानिस्तान में निवेश और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के ज़रिये आर्थिक पकड़ मज़बूत की है, परंतु उसे चरमपंथ के झिंजियांग में फैलाव का डर है। भारत की सक्रिय कूटनीति—चाबहार पोर्ट और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के ज़रिए—काबुल में एक वैकल्पिक धुरी बना रही है, जो पाकिस्तान और चीन के प्रभाव को सीमित कर सकती है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश से संबंध बढ़ने पर तालिबान को अभूतपूर्व वैधता मिलेगी और उसका अंतरराष्ट्रीय एकाकीपन घटेगा। भारत के साथ व्यापार, शिक्षा और विकास परियोजनाओं के सहयोग से तालिबान शासन को आर्थिक संबल मिलेगा। भारत का यह क़दम वैचारिक नहीं बल्कि रणनीतिक है। इसका उद्देश्य है—पाकिस्तान को अफ़ग़ानिस्तान में एकमात्र प्रभावशाली खिलाड़ी बनने से रोकना और आतंकवाद के विरुद्ध सीधी संवाद-रेखा बनाना। अफ़ग़ानिस्तान भारत के लिए मध्य एशिया का द्वार है। चाबहार पोर्ट और आईएनएसटीसी जैसी परियोजनाएं भारत को पाकिस्तान की भौगोलिक बाधा को पार करने में मदद देती हैं।

इसके अलावा, भारत की मानवीय सहायता ने अफ़ग़ान जनता के बीच सकारात्मक छवि बनाई है। तालिबान की मान्यता को लेकर मुस्लिम दुनिया और अमेरिका में भी नई बहस शुरू हो सकती है। भारत की पहल उन्हें यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा प्रशासन अफ़ग़ानिस्तान को लेकर सावधानीपूर्ण नीति अपना रहा है। भारत की सक्रिय उपस्थिति वॉशिंगटन के लिए चीन के प्रभाव को संतुलित करने में सहायक हो सकती है, बशर्ते मानवाधिकार मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

भव्यता-दिव्यता के बीच बने समता का समाज

विश्वनाथ सचदेव

इस दीपावली पर हमने एक और कीर्तिमान बनाया—दीये जलाने का कीर्तिमान। दीपावली भगवान राम के चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटने का पर्व है। जब राम अयोध्या लौटे तो अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाकर खुशियां मनाई थीं। यह अन्याय पर न्याय और अंधेरे पर उजाले की जीत की खुशी थी। आज भी जब हम दिवाली की अमावस्या की रात को दीये जलाते हैं, तो इसी जीत को याद करते हैं और संकल्प करते हैं कि अंधेरे के खिलाफ यह लड़ाई जारी रहेगी। जीवन के हर अंधेरे को मिटाने का संकल्प हम दोहराते हैं। घर की देहरी पर दीया जलाना इसी संकल्प का प्रतीक है। पर यह बात भी याद रखनी होगी —दीया जलाने के संकल्प के साथ ही उसे जलाए रखने का संकल्प भी लेना होता है। जलाए रखना अर्थात तूफानी हवाओं की चुनौती को स्वीकार करना।

किसी शायर ने लिखा है—'खिजां की रुत में गुलाब लहजा बनाकर रखना कमाल ये है/ हवा की ज़द में दीया जलाना, जलाकर रखना कमाल ये है।' दीया जलाना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, पर विरोधी हवाओं की चुनौती को स्वीकारना और दीया जलाए रखना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। शायर ने इस चुनौती को स्वीकार करने को ही 'कमाल' कहा है। आज हम लाखों दीये जलाकर कमाल करने का दावा कर रहे हैं। साल-दर-साल अधिकाधिक दीये जलाने के कीर्तिमान स्थापित करके 'गिनीज़ बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स' में अपनी 'सफलता' का विवरण दर्ज कराके हम खुश हो सकते हैं, लेकिन याद रखने की बात यह है कि ऐसे कीर्तिमानों से अंधेरे दूर नहीं होते। कमाल तब होता है जब कोई एक अकेला दीपक सारे अंधेरे के अस्तित्व को चुनौती देता है। सवाल सिर्फ अंधेरे का ही नहीं, विरोधी हवाओं का भी है। इस संदर्भ में विश्वकवि रवींद्रनाथ ठाकुर की बड़े अर्थ वाली एक छोटी-सी कविता याद आती है। कविता का भाव कुछ इस प्रकार है—अमावस्या की काली रात जब घिरने लगी तो सूरज कुछ उदास था। जब सूरज से इस उदासी का कारण पूछा गया, तो उसने बताया—'मेरे अस्त होने के बाद छाए अंधेरे को कौन मिटाएगा?' एक छोटे से दीये ने सारी दुनिया को प्रकाशित करने वाले सूरज से कहा, 'आप चिंता मत करें, जब तक मैं हूं, अंधेरे के खिलाफ यह लड़ाई अपनी पूरी ताकत से जारी रखूंगा।'

कवि ने लिखा है—यह सुनकर सूरज को चैन आ गया। उसे विश्वास हो गया कि काली रात का यह अंधेरा उजाले को नहीं हरा पाएगा। अंधेरा लाखों दीयों से नहीं, एक दीये की ज़िद से हारता है। ईमानदारी से व्यक्त किया गया एक दीये का विश्वास भले ही सब तरफ उजाला न करे, पर कोई एक किरण भी सवेरा होने का विश्वास जगाने के लिए पर्याप्त होती है। दिवाली हर साल हमें यही अहसास कराने आती है। हम लाखों दीये जलाकर अंधेरे को हराने का मिथ्याभिमान जीने लगे हैं। यह समझना ही नहीं चाहते कि दस कमरों के मकान में रहने वाला व्यक्ति रहता तो एक ही कमरे में है, बाकी कमरों में तो उसका घमंड ही रहता है!

राम की कथा हमें यही समझाती है कि अपनी ताकत का घमंड हमें उस रावण की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देता है, जो अन्याय और अत्याचार का प्रतीक है। मनुष्यता की लड़ाई रावण से नहीं, रावण की राक्षसी प्रवृत्ति से है। कई-कई रूप हैं इस राक्षसी प्रवृत्ति के—अन्याय, अत्याचार और विवेकहीनता से पलती है यह प्रवृत्ति। जीवन का असली अंधेरा यही प्रवृत्ति है। आदमी को अपनी मानवता बचाए रखने के लिए इसी अंधेरे को हराना होता है। प्रकाश चाहे सारे जग को आलोकित करने वाले सूरज का हो या छोटे से दीये का—संदेश एक ही देता है, मनुष्यता का संदेश। राम इसी मनुष्यता की जीत के प्रतीक हैं। राम ने कथनी से नहीं, करनी से मनुष्यता की यह लड़ाई जीती थी। निषाद को गले लगाने वाले राम ने समता का संदेश दिया। भीलनी के झूठे बेर खाकर, वानर और राक्षस जाति के आदिवासियों को अपनी विजय का माध्यम बनाकर, मर्यादा पुरुषोत्तम ने यह स्पष्ट कर दिया था कि आदर्श समाज-व्यवस्था में ऊंच-नीच के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। अपने घर की दीवारें हमें खुद उठानी हैं, छत स्वयं डालनी है। अपने घर के परिष्कार का बोझ भी घर-परिवार में रहने वालों का होता है। लाखों दीयों से घर को सजाने से कहीं बेहतर है एक दीये से आंगन में उजाले का बीज बोना। लाखों दीये जलें, इसमें कोई बुराई नहीं, पर सरयू के तट पर इतने दीये जलाने के बजाय लाखों वंचितों और दलितों के घरों में रोशनी करना क्या यह ज़्यादा ज़रूरी नहीं है?

उन बच्चों की सुध कौन लेगा जो हज़ारों अधजले दीयों के बचे तेल को इकट्ठा करने निकल पड़ते हैं? उनकी इस विवशता को कौन समझेगा? यह भी याद रखना होगा कि भगवान राम ने वनवासियों को अपना सहयोगी बनाया था, पर हम उन्हें अपने निकट तक आने देना ही नहीं चाहते। सामाजिक विषमता का यह एक उदाहरण है, पर यह अकेला उदाहरण नहीं। आर्थिक और सामाजिक विषमता ने मिलकर हमारी उपलब्धियों को कमतर बना दिया है। पिछले तीन-चार दशकों में देश ने कई मोर्चों पर विजय के झंडे फहराए हैं, पर यह विडंबना है कि एक ओर हमारी प्रगति ने नए प्रतिमान बनाए हैं, वहीं दूसरी ओर विषमता की खाइयां और चौड़ी हुई हैं। सन् 2021 की ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया था कि महामारी (मार्च, 2020 से नवंबर, 2020) के दौरान देश के 84 प्रतिशत परिवारों की आमदनी में गिरावट आई थी। वह समय की मार हो सकती है, लेकिन उसके बाद भी, पिछले दो-तीन वर्षों में आर्थिक विषमता कम नहीं हुई।

शुगर और स्ट्रेस

कम करने में सहायक हैं ये योगासन

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग स्वास्थ्य पर ध्यान देना तो चाहते हैं, लेकिन उनके पास समय नहीं होता है। ऐसे में जीवनशैली में कुछ बदलाव और अच्छी आदतों को शामिल करके स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है और आजकल हर तीसरे व्यक्ति को होने वाली कुछ सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं को खुद के शरीर से दूर रखा जा सकता है। इन रोगों में बीपी, शुगर, थाइराइड, मोटापा जैसी समस्याएं हैं। हालांकि कुछ सरल लेकिन बेहद प्रभावशाली योगासन हैं, जिसका अभ्यास इन समस्याओं से बचाव और छुटकारा दिलाता है। ये आसन हर उम्र के व्यक्ति के लिए लाभदायक हैं। ये न केवल शरीर को फिट रखते हैं बल्कि मानसिक संतुलन और इम्यूनिटी भी बढ़ाते हैं।

बालासन

यह आसन पीठ दर्द और थकान से राहत दिलाता है। साथ ही थायराइड में राहत देता है। बालासन के अभ्यास के लिए वज्रासन में बैठकर सांस छोड़ते हुए शरीर को आगे झुकाएं और माथा ज़मीन पर टिकाएं। फिर हाथ आगे की ओर फैलाएं या शरीर के पास रखें। कम से कम एक-दो मिनट इसी मुद्रा में रहें। बालासन के अभ्यास से पीठ और कमर की थकान दूर होती है। यह आसन मन को शांत करता है और चिंता को कम करता है।

वज्रासन

वज्रासन का अभ्यास भोजन के बाद करें। यह आसन पाचन तंत्र के लिए सबसे बेहतर होता है। यह एसिडिटी और कब्ज में राहत दिलाता है। यह डायबिटीज में मददगार होता है। खाने के बाद 5 मिनट वज्रासन में बैठने से गैस, एसिडिटी और अपच से बचा जा सकता है।

भ्रामरी प्राणायाम

यह आसन स्ट्रेस, माइग्रेन और हाई बीपी में असरदार है। जिनको नींद की समस्या है, इस आसन के अभ्यास से अनिद्रा दूर होती है। इसके अभ्यास के लिए आंखें बंद करके गहरी सांस लें, दोनों कानों को अंगूठों से बंद करें और मधुमक्खी जैसी ध्वनि निकालें।

ताड़ासन

ताड़ासन शरीर को संतुलित और लचीला बनाता है। यह आसन लंबाई बढ़ाने में सहायक है। इसका अभ्यास पूरे शरीर को सीधा और संतुलित करता है। गलत मुद्रा सुधारने में सहायक है। साथ ही गर्दन और रीढ़ की सीध में संतुलन लाता है। ताड़ासन करने के लिए सीधे खड़े होकर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और एड़ियों पर खड़े हो जाएं। पूरी बॉडी को स्ट्रेच करें और गहरी सांस लें।

सेतुबंधासन

यह आसन थायराइड और हार्मोनल इमबैलेंस में असरदार है। इसके अभ्यास से कमर मजबूत होती है। सेतुबंधासन के अभ्यास के लिए अपने घुटनों को मोड़कर और पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग करके अपनी पीठ के बल लेट जाएं। अब पैरों को जमीन पर दबाएं और अपने कूल्हों को छत की ओर उठाएं। 20-30 सेकंड तक इसी स्थिति में रुकें।

हंसना मना है

टीटू - तुम ऑपरेशन कराए बिना ही हॉस्पिटल से क्यों भाग गए? शीटू - नर्स बार-बार कह रही थी कि डरो मत, हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा.. ये तो बस एक छोटा सा ऑपरेशन है। टीटू- तो इसमें डरने वाली कौन सी बात है? सही तो कह रही थी नर्स। शीटू- वो मुझसे नहीं डॉक्टर से कह रही थी।

यमराज - चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। महिला - बस दो मिनट दे दो। यमराज - दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी? महिला - फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज बेहोश!

पत्नी के जन्मदिन पर पति ने पूछा- तुम्हें क्या गिफ्ट चाहिए? पत्नी की इच्छा नई कार लेने की थी। उसने इशारों में कहा- मुझे ऐसी चीज लेकर दो जिस पर मेरे सवार होते ही वो 2 सेकेंड में 0 से 80 पर पहुंच जाए। शाम को पति ने उसे वजन कांटा लाकर दे दिया। पत्नी अभी भी बेहोश है।

अभी सुबह नहीं ज्ञात किसका मुंह देखकर उठा था कि दिन का भोजन नसीब नहीं हुआ? पति ने शिकायत की। पत्नी बोली- मेरी मानो, बेडरूम में लगे आइने को हटा दो, वरना रोजाना यही शिकायत रहेगी।

कहानी | रसगुल्ला की जड़

एक वक्त की बात है, एक बार राजा कृष्णदेव राय के राज्य में दूर देश ईरान से व्यापारी आया। महाराज उस व्यापारी का स्वागत मेहमान की तरह शानदार तरीके से करते हैं। वह मेहमान के लिए तरह-तरह के पकवान और स्वादिष्ट भोजन बनवाने का आदेश देते हैं। साथ ही कई अन्य सुविधाओं का आयोजन करते हैं। एक दिन महाराज के रसोइये ने शेख व्यापारी मेहमान के लिए रसगुल्ले बनाए। जब शेख व्यापारी ने रसगुल्ले खाए, तो उसे बहुत स्वादिष्ट लगे। उसने महल में मौजूद लोगों से रसगुल्लों की जड़ के बारे में पूछा। यह सुनकर रसोइया समेत महल के कई लोग सोच में पड़ जाते हैं। शेख व्यापारी की मांग के बारे में महाराज को जानकारी दी जाती है। फिर महाराज बिना देर किए अपने सबसे चतुर मंत्री तेनाली राम को बुलाते हैं और सारी बात बताते हैं। महाराज की बात सुनकर तेनाली राम तुरंत रसगुल्ले की जड़ ढूंढने की चुनौती स्वीकार कर लेते हैं। वो महाराज से एक कटोरे और छुरी की मांग करते हैं, साथ ही एक दिन का समय भी मांगते हैं। फिर अगले दिन महराज की भरी सभा में तेनाली राम कटोरे में रसगुल्ले की जड़ लेकर आ जाते हैं। कटोरा मलमल के कपड़े से ढका होता है। तेनाली राम उस कटोरे के साथ शेख व्यापारी के पास जाते हैं और उन्हें कपड़ा हटाने को कहते हैं। जैसे ही शेख व्यापारी कटोरे का कपड़ा हटाता है, तो वहां बैठा हर कोई हैरान हो जाता है। उस कटोरे में गन्ने के कई टुकड़े होते हैं। महाराज के साथ हर कोई हैरान होकर तेनाली राम से पूछता है कि यह क्या है? बुद्धिमान और चतुर तेनाली राम अपनी बात रखते हुए सभी को समझाते हैं कि कोई भी मिठाई चीनी से बनती है और चीनी को गन्ने के रस से बनाया जाता है। इसलिए, रसगुल्ले की जड़ गन्ना है। तेनालीराम की यह बात सुनकर सभी हंस पड़े और खुश होकर तेनाली राम के बात से सहमत भी हुए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन

वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा।

कर्क

आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा।

कन्या

काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

तुला

आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा।

धनु

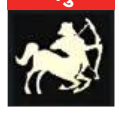

सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

मकर

किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी।

कुम्भ

ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा।

मीन

किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

बॉलीवुड | प्रदर्शन

ओपनिंग डे पर फिल्म थामा का धमाका

एक दीवाने की दीवानियत का भी दिखा दम

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना अभिनीत मैडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म थामा सिनेमाघरों में लग चुकी है। ओपनिंग डे पर इसने अच्छी शुरुआत की है। थामा आयुष्मान खुराना के करियर की बेस्ट ओपनर साबित हुई है। इसी के साथ रिलीज हुई कम बजट की फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने भी शानदार प्रदर्शन किया। दो नई फिल्मों की रिलीज के बावजूद कांतारा 2 की चमक कम नहीं हुई है। आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म थामा ने ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया है। पहले दिन फिल्म ने डबल डिजिट में कलेक्शन जुटाकर शुरुआत की। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने 24 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म का बजट करीब 150 करोड़ रुपये है। इस हिसाब से यह कमाई शानदार है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना के अलावा परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे सितारे भी हैं। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा स्टारर फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' भी दिवाली के त्योहार पर फैंस के बीच पहुंची। थामा के साथ टकराव और फिर पहले से लगी कांतारा-2 जैसी फिल्म की मौजूदगी में भी इस फिल्म ने अपना दम दिखाया है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 8.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस फिल्म का बजट 30 करोड़ रुपये बताया गया है। इस हिसाब से इसकी शुरुआत उम्दा रही है। दो नई फिल्मों की दस्तक के बावजूद ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 पर असर नहीं पड़ा है। यह फिल्म अब भी धुआंधार कमाई कर रही है। इसने डबल डिजिट में कमाई की। 20वें दिन इसने 12 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 547.15 करोड़ रुपये हो चुका है।

सैयारा के बाद अनीत के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट

फिल्म सैयारा से ऑडियंस का दिल जीतने वाली अनीत पड्डा के हाथ एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। जल्द ही एक्ट्रेस मैडॉक फिल्म्स की नई हॉरर फिल्म शक्ति शालिनी में लीड रोल में दिखेंगी। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म थामा के रिलीज होने के साथ ही इस बात की आधिकारिक पुष्टि हो भी गई। मेकर्स ने शक्ति शालिनी से अनीत पड्डा के जुड़ने का खास वीडियो थियेटर में दिखाया। हालांकि ये क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में अनीत को रक्षक, विध्वंसक और सबकी जननी बताया गया है। इसके साथ सोशल मीडिया पर एक फोटो भी वायरल हो रही है, जिसमें एक महिला सफेद लहंगे और लंबी चोटी में जंगल में जाते हुए दिखाई दे रही है। हालांकि हम ये पुष्टि नहीं करते की वो अनीत पड्डा ही है। क्योंकि इसमें उनका चेहरा नहीं नजर आया है। बता दें कि पहले ये खबर आई थी कि फिल्म शक्ति शालिनी में कियारा आडवाणी नजर आएंगी। लेकिन अब अनीत पड्डा की एंट्री से साफ हो गया है कि कियारा का पत्ता कट चुका है। सैयारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद अनीत पड्डा ने ये बड़ी बाजी मार ली है। देखना होगा कि इस फिल्म से अनीत क्या कमाल कर पाती हैं।

कियारा आडवाणी को किया रिप्लेस

वैसे तो ये फिल्म इसी साल के शुरुआत में रिलीज होने वाली थी लेकिन अब ये फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। हालांकि इस फिल्म के आगे शेड्यूल होने और रिलीज में देरी का कारण अभी तक पता नहीं चल है। लेकिन अनीत पड्डा के इस फिल्म के जुड़ने के बाद उनके फैंस एक्साइटेड जरूर हो गए हैं। वहीं अनीत पड्डा के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने फिल्म सलाम वेंकी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में काजोल और विशाल जेठवा भी थे। इसके बाद वो एक वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में दिखाई दी थी। इसमें उनके साथ पूजा भट्ट, राइमा सेन जैसे दिग्गज कलाकार थे। लेकिन अनीत पड्डा को देशभर में पहचान मोहित सूरी की फिल्म सैयारा से मिली। इस फिल्म में अनीत अहान पांडे के साथ नजर आई थीं।

कश्यप ने फिर साधा सलमान पर निशाना

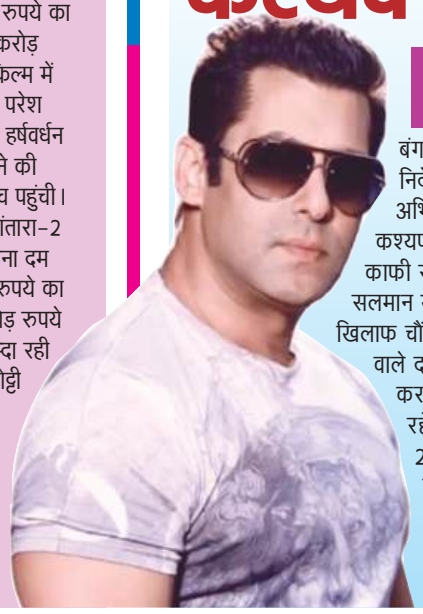

दबंग के निर्देशक ने लगाया किडनैपिंग का आरोप

दबंग के निर्देशक अभिनव कश्यप पिछले काफी समय से सलमान खान के खिलाफ चौंकाने वाले दावे करते आ रहे हैं। 2010 में आई यह फिल्म हिट साबित हुई, लेकिन कश्यप का कहना है कि पर्दे के पीछे सब कुछ ठीक नहीं था। हाल ही में, उन्होंने सेट पर तनावपूर्ण पलों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने सलमान खान पर कई हैरान करने वाले इल्जाम भी लगाए। कश्यप ने दावा किया कि सलमान ने एक बार फिल्म के एडिटर को किडनैप कर लिया था ताकि प्रोजेक्ट पर पूरा कंट्रोल पा सकें। कश्यप ने कहा सलमान ने मेरे एडिटर और एडिटिंग मशीन को किडनैप कर लिया और उसे अपने फार्म हाउस पर ले गए। फिर उन्होंने उसे कुछ समझाने के बाद ही वापस लौटने दिया। सलमान ने एक बार मेरे एडिटर को चेतावनी भी दी थी कि अगर डायरेक्टर ने फिल्म के साथ छेड़छाड़ की तो उसे सिलेंडर से मारेंगे। बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में सलमान खान ने कश्यप की पिछली टिप्पणी के बारे में कहा मेरे साथ उन्होंने आमिर को भी लपेटे में ले लिया। पिछले वीकेंड के वार पर मैंने ऐसे ही बोला था कि काम करो यार। किसी को कोई दिलचस्पी नहीं है। आज फिर से पूछना चाहता हूं, काम मिला क्या भाई? मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि ये जो नाम लेकर बुराई कर रहे हो, तो क्या ये लोग आपके साथ कभी काम करेंगे? आपके साथ जो लोग जुड़े हैं वह भी काम नहीं करेंगे। सलमान खान ने आगे कहा मुझे सिर्फ एक ही चीज बुरी लगी कि आपने खुद को बर्बाद कर लिया। अगर किसी परिवार के पीछे पड़ना है तो खुद के परिवार के पीछे पड़ो। वे आपके बारे में चिंतित हैं। मैं आपको आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूं। सलमान खान आखिरी बार रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज हुई थी। वह फिलहाल बैटल ऑफ गलवां की शूटिंग कर रहे हैं।

दुनिया का ये है सबसे बदसूरत कुत्ता, जीत चुका है लाखों का इनाम

कैलिफोर्निया के सांता रोजा में 8 अगस्त को 'दुनिया का सबसे बदसूरत कुत्ता 2025' चुनने के लिए प्रतियोगिता हुई, जिसमें सैकड़ों लोगों ने अपने पालतू कुत्तों के साथ हिस्सा लिया। इंग्लिश फ्रेंच बुलडॉग मिक्स ब्रीड के दो साल के एक कुत्ते ने यह खिताब अपने नाम किया। बाल रहित इस बुलडॉग का नाम है पेटुनिया, जो अपनी मालकिन शैनन निमन के साथ ओरेगन में रहता है। पेटुनिया की जीत ने जजों को भी चौंका दिया। एक जज ने तो यह तक कह दिया कि पेटुनिया में 'योडा (हॉलीवुड फिल्म 'स्टार वार्स' फ्रैंचाइज में एक काल्पनिक कैरेक्टर है), हिप्पो और चमगादड़ का मिश्रण है! बता दें कि पेटुनिया के अजीब लुक और ढेर सारी झुर्रियों ने ही उसे यह खिताब दिलाया है। पेटुनिया अब न सिर्फ दुनिया का सबसे बदसूरत कुत्ता बन चुका है, बल्कि इस प्रतियोगिता ने उसे 5,000 डॉलर (4 लाख, 38 हजार रुपये से ज्यादा) का नकद इनाम भी दिलवाया। यही नहीं, उसे MUG रूट बीयर के लिमिटेड-एडिशन के बॉक्स पर भी जगह मिली है। जानकारी के अनुसार, पेटुनिया को लास वेगास के एक ब्रीडर से रेस्क्यू किया गया था। उसकी सेहत में सुधार हो रहा है, लेकिन सिर पर सिर्फ एक ही बाल बचा है। पेटुनिया की मालकिन शैनन ने बताया कि उसकी इसी खासियत ने उसे यह खिताब दिलाया है। बता दें कि 'सबसे बदसूरत कुत्ते' की प्रतियोगिता 1970 के दशक से कैलिफोर्निया के सोनोमा-मरीन मेले में आयोजित होती आ रही है। इसकी शुरुआत ओल्ड एडोब एसोसिएशन के लिए पैसे इकट्ठा करने के लिए हुई थी। यह सिर्फ एक अनोखा कॉम्पिटिशन नहीं, बल्कि उन कुत्तों के लिए एक शानदार मौका है, जिन्हें आम तौर पर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

अजब-गजब | ज्वालामुखी की आग से पैदा होता है इस शराब में जादू

एक पेग में ही दीवाने हो जाते हैं शराबी

यूं तो शराबियों को अलग-अलग किस्म की शराब पसंद आती है, लेकिन एक ड्रिंक है, जिसे हर शराबी पसंद करता है। हम बात कर रहे हैं टकीला के बारे में, जिसे सिर्फ ब्लू एगेव पौधे से बनाया जाता है। वैज्ञानिकों की माने तो ये पौधा लिली परिवार का एक सदस्य है और अपने लंबे नुकीले कांटों के लिए जाना जाता है। टकीला आज दुनियाभर के शराब प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय है, लेकिन इसके दिलचस्प इतिहास और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। तेज़ और विशिष्ट स्वाद वाली यह खास शराब, मैक्सिकन संस्कृति का अहम हिस्सा है, जिसने पूरी दुनिया को अपना दीवाना बना लिया है। दिलचस्प बात यह है कि 1918 में फैले स्पैनिश फ्लू के दौरान डॉक्टर टकीला को एक इलाज के रूप में सुझाते थे। उनका मानना था कि नमक और नींबू के साथ टकीला पीने से फ्लू के लक्षण कम हो सकते हैं। यह इस बात का सबूत है कि टकीला को सिर्फ पार्टी ड्रिंक ही नहीं, बल्कि एक औषधीय पेय के रूप में भी लंबे समय से जाना जाता रहा है। टकीला एक डिस्टिल्ड ड्रिंक है, जिसे सिर्फ ब्लू एगेव पौधे से बनाया जाता है। वैज्ञानिकों की माने तो ये पौधा लिली परिवार का एक सदस्य है और अपने लंबे नुकीले कांटों के लिए जाना जाता है। टकीला की कहानी एज़्टेक सभ्यता से शुरू होती है। 250-300 ईसा पूर्व में एज़्टेक सभ्यता के समय एगेव के गूदे से थोड़ा खट्टा पेय और उसे फर्मेंटेड किया। परिणामस्वरूप जो अल्कोहल बना वो एक पवित्र पेय था, जिसका सेवन धार्मिक समारोहों और पवित्र संस्कारों में किया जाता था। शराबियों की पसंद ये इस ड्रिंक को मेक्सिको की शान कहा जाता है और इसे पीने वाले लोग इसे एकदम नीट ही पी जाते हैं। यह एक स्ट्रांग ड्रिंक है, जिसमें अल्होकल की मात्रा 40 से 50 फीसदी तक होती है। टकीला का उत्पादन मुख्य रूप से मेक्सिको के जालिस्को राज्य में किया जाता है। टकीला का नाम मैक्सिको के जलिस्को राज्य के टकीला नामक शहर से पड़ा, जहां 16वीं सदी में इसका निर्माण शुरू हुआ। जालिस्को को टकीला का होमटाउन भी कहा जाता है। अब यूं तो दुनियाभर में एगेव की करीब 166 प्रजातियां है, जिनमें से 125 मेक्सिको में पाई जाती हैं। अब इसमें से हरे पत्तों का उपयोग ही केवल टकीला बनाने के लिए किया जाता है। ये एक तरह का खास पौधा होता है। जो शहर के आपपास के इलाके में सिलिकेट समृद्ध लाल ज्वालमुखीय मिट्टी में पैदा होते हैं। एक अनुमान के मुताबिक सिर्फ इस ड्रिंक को बनाने के लिए हर साल 300 मिलियन से ज्यादा पौधों की कटाई होती है।

सिद्धारमैया के बेटे के बयान पर मचा घमासान

सतीश जरकीहोली को बताया पार्टी का संभावित उत्तराधिकारी

» डीके शिवकुमार की खामोशी पर सवाल

» कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की फिर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र के बयान कि उनके पिता राजनीतिक करियर के अंतिम चरण ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को तेज कर दिया है। साथ ही राज्य की सियासत में घमासान भी मच गया है। बीजेपी भी सवाल उठा रही है। यतींद्र ने सतीश जरकीहोली को संभावित उत्तराधिकारी बताया, जिससे कांग्रेस आलाकमान पर आगामी मंत्रिमंडल फेरबदल और राज्य के भविष्य के नेतृत्व को लेकर दबाव बढ़ गया है।

कर्नाटक के सीएम के बेटे ने सुझाव दिया है कि कांग्रेस नेता सतीश उनके पिता की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं, उन्होंने कहा कि वे अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं। यतींद्र की यह टिप्पणी कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसका कांग्रेस पार्टी ने पहले खंडन किया था। जहां एक ओर संभावित नेतृत्व परिवर्तन पर बातचीत चल रही है, वहीं यतींद्र ने एक आश्चर्यजनक घोषणा की कि उनके पिता अपने राजनीतिक करियर के अंतिम चरण में हैं और सतीश जैसे नेता उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार होंगे। यतींद्र ने कहा कि किसी खास विचारधारा से जुड़े व्यक्ति को ढूंढना मुश्किल है और उन्होंने सुझाव दिया कि जरकीहोली एक प्रगतिशील नेता की भूमिका निभा सकते हैं। गौरतलब है कि जरकीहोली ने पहले कहा था कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं।

कांग्रेस कर्नाटक में बड़े फेरबदल के लिए पूरी तरह तैयार

कांग्रेस कर्नाटक में बड़े फेरबदल के लिए पूरी तरह तैयार है, सूत्रों के अनुसार, सबसे पुरानी पार्टी कामराज योजना को लागू करेगी, जिसका मतलब है कि प्रदर्शन और भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर कई वरिष्ठ चेहरों को राज्य मंत्रिमंडल से हटाया जाएगा। कांग्रेस इस साल के अंत तक होने वाले फेरबदल में एक दर्जन वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को हटाकर उन्हें पार्टी संगठन में स्थानांतरित कर सकती है, और नए चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाएं बढ़ी

कर्नाटक सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाएं बढ़ गई हैं, और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार राज्य में बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद की मांग कर रहे हैं। हालांकि, अगर कामराज योजना राज्य में लागू होती है, तो उन्हें राज्य में अपने एक पद से हटना होगा, क्योंकि वह राज्य के पार्टी अध्यक्ष होने के साथ-साथ कैबिनेट मंत्री और उप-मुख्यमंत्री भी हैं। कामराज योजना 1963 में मद्रास के तत्कालीन मुख्यमंत्री के. कामराज द्वारा शुरू की गई एक पहल थी, जो बाद में 1963 में कांग्रेस (ओ) के अध्यक्ष बने। कुमारस्वामी कामराज ने प्रस्ताव दिया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को पार्टी के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सरकारी पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसका लक्ष्य जमीनी स्तर पर पार्टी के संगठन को मज़बूत करना था।

ईडी ने की बंगाल के मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा से नौ घंटे तक पूछताछ

» शिक्षक भर्ती घोटाला में छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। ईडी ने कथित प्राथमिक विद्यालय शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा से करीब नौ घंटे तक पूछताछ की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस मामले में सिन्हा की केंद्रीय एजेंसी के समक्ष यह तीसरी बार पेशी थी। अधिकारी ने बताया कि ईडी ने सिन्हा को नए सवालों के जवाब देने और संबंधित दस्तावेज जमा कराने के लिए अपने साल्ट लेक कार्यालय में बुलाया था। सिन्हा ने लंबी पूछताछ के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं।

अधिकारी ने बताया कि सिन्हा अपने साथ ईडी के साल्ट लेक कार्यालय में कई फाइल और दस्तावेज लेकर आए थे। एजेंसी ने सिन्हा की हालिया पेशी के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। ईडी के सूत्रों ने बताया कि सिन्हा का नाम मामले के प्रमुख आरोपियों में से एक कुंतल घोष से बरामद एक डायरी में सामने आया है। डायरी में कथित तौर पर घोटाले से जुड़े सौ से ज्यादा लोगों के नाम हैं। इन खुलासों के बाद, ईडी ने सिन्हा के आवास पर कई बार छापा मारा। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने कथित तौर पर कई दस्तावेज और 41 लाख रुपये नकद बरामद किए थे। एजेंसी ने मंत्री के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। सिन्हा ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया और अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया।

एमवाई का मतलब मुकेश और तेजस्वी हो गया है : शाहनवाज

» भाजपा नेता बोले- महागठबंधन में दरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। महागठबंधन की ओर से गुरुवार को साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा कर दी गई कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। इस पर बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा, एनडीए का चेहरा क्या होगा, अमित शाह ऐलान कर चुके हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे, जीतेंगे और सरकार बनाएंगे। इसके बाद और कोई घोषणा की क्या जरूरत है? जब एक बार हमारे जो बड़े नेता हैं उन्होंने ऐलान कर दिया कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहे हैं, उनके काम के आधार पर 20 साल में जो उन्होंने किया है, जो केंद्र सरकार ने किया है, विकास के मुद्दे पर मैदान में जाएंगे और जीतेंगे।

इससे पहले शाहनवाज हुसैन ने कहा, महागठबंधन ने महाभूल कर ली है। एमवाई समीकरण वाली पार्टी का मतलब अब मुस्लिम-यादव नहीं है, बल्कि मुकेश सहनी और तेजस्वी हो गया है। उनका जो वोट बैंक था उनसे नाराज हो गया है। उनको कुछ मिलने वाला नहीं है। ये लोग सिर्फ बीजेपी का डर दिखाकर मुस्लिम समाज से वोट लेना चाहते हैं। वो लोग डरेंगे नहीं। हम लोग सबका साथ सबका विकास सबके विश्वास के रास्ते पर नीतीश के नेतृत्व में लड़ने जा रहे हैं, महागठबंधन में दरार है। दूसरी तरफ बीजेपी नेता ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, लालू यादव और तेजस्वी यादव के सामने कांग्रेस ने घुटना टेक दिया है। कांग्रेस बहुत डींग हांक रही थी कि मख्यमंत्री का उम्मीदवार हम बताएंगे नहीं बाद में तय होगा, लेकिन कांग्रेस जिसका कोई वजूद नहीं है, उसने लास्ट में लालू के दरवाजे पर जाकर घुटना टेक दिया।

वर्ली मेट्रो स्टेशन से नेहरू का नाम हटाने से सियासी संग्राम

» बीजेपी इतिहास मिटाना चाहती है : वर्षा गायकवाड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के वर्ली मेट्रो स्टेशन से नेहरू नाम हटाए जाने को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस फैसले को लेकर बीजेपी पर आरोप लगाया कि बीजेपी को पंडित जवाहरलाल नेहरू से एलर्जी है, इसलिए जानबूझकर मेट्रो स्टेशन के नाम से उनका नाम हटाया गया है।

गायकवाड़ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर वर्ली मेट्रो स्टेशन का नाम दोबारा नेहरू विज्ञान केंद नहीं रखा गया, तो कांग्रेस अपने तरीके से बीजेपी को सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा, वर्ली क्षेत्र जहां नेहरू विज्ञान केंद्र के नाम से जाना जाता है, वहीं मुंबई मेट्रो ने इस स्टेशन के नाम से नेहरू का नाम हटा दिया है। यह भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि मुंबई मेट्रो 3 के आधिकारिक ट्वीट में डिस्कवरी हब की सूची में इस स्थान को नेहरू विज्ञान केंद्र के रूप में दर्शाया गया है, लेकिन स्टेशन के नाम से नेहरू शब्द को हटाया गया है। यह बीजेपी की संकीर्ण, प्रतिशोधी और असहिष्णु मानसिकता को दर्शाता है। गायकवाड़ ने बीजेपी पर इतिहास मिटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसा किया गया है। उन्होंने कहा, दिल्ली स्थित नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय कर दिया गया।

इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी कांग्रेस

उनकी उपलब्धियां इतनी महान और अटूट हैं कि बीजेपी उनके प्रति चाहे जितनी भी दुर्भावना दिखाए या उनके चरित्र हनन की कोशिश करे, वे प्रयास आसमान में थूकने के समान होंगे। गायकवाड़ ने यह भी कहा कि भारत के महान नेताओं और राष्ट्र निर्माताओं के साथ हो रहे इस व्यवहार को पूरी दुनिया देख रही है। बीजेपी की यह विकृत मानसिकता न केवल इतिहास को मिटा रही है, बल्कि देश की प्रतिष्ठा और अंतर्राष्ट्रीय छवि को भी नुकसान पहुंचा रही है। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और नेहरू के सम्मान की रक्षा के लिए हर मंच पर आवाज उठाएगी।

बिहार की जनता तय करती है सीएम, नेता लोग थोड़े तय करता है : तेज प्रताप यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए विपक्षी महागठबंधन ने मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान करते हुए तेजस्वी यादव पर भरोसा जताया है। इसपर तेजस्वी के बड़े भाई और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने कहा, वो तो बिहार की जनता तय करती है, नेता लोग थोड़े तय करता है।

उनके इस बयान से कयास लगाए जा रहे हैं कि तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी के सीएम उम्मीदवार बनने से खासा खुश नहीं हैं। बिहार चुनाव के लिए तेज प्रताप यादव का क्या प्लान है? जब उनसे यह सवाल किया गया तो जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, हमने वहां पहले ही एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर दिया है और जल्द ही एक इंजीनियरिंग कॉलेज भी खोला जाएगा।

जिम्बाब्वे की अफगानिस्तान पर ऐतिहासिक जीत

» टेस्ट मैच में पारी और 76 रन से रौंदा, एवंस-रिचर्ड चमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरारे। जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान को हरारे के स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर एकतरफा अंदाज में हराते हुए इतिहास रच दिया। इकलौते टेस्ट मुकाबले में मेजबानों ने अफगानिस्तान को पारी और 73 रन से मात दी। इस जीत के हीरो रहे बेन करन, जिन्होंने शानदार शतक जमाकर टीम की नींव रखी, जबकि गेंदबाजी में ब्रैड एवंस और रिचर्ड नगारवा ने अफगान बल्लेबाजों की कमर तोड़ दी। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम की पारी 33 ओवर भी नहीं टिक सकी। पूरी टीम महज़ 127 रन पर ढेर हो गई।

रहमानुल्लाह गुरबाज (37) और अब्दुल मलिक (30) ही कुछ संघर्ष कर पाए, बाकी बल्लेबाज जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सके। ब्रैड एवंस ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी ने तीन विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। जवाब में जिम्बाब्वे की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही, लेकिन इसके बाद बेन करन ने बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने निक वेल्श (49) और फिर सिकंदर रजा (65) के साथ अहम साझेदारियां करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। करन ने शानदार 121 रन की पारी खेली, जबकि अंत में ब्रैड एवंस ने भी 35 रन जोड़कर टीम का स्कोर 359 रन तक पहुंचाया। अफगानिस्तान की ओर से जिया-उर-रहमान ने 7 विकेट हासिल किए, लेकिन बाकी गेंदबाज प्रभावी साबित नहीं हो सके। पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी अफगानिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। इब्राहिम जादरान (42) और बाहिर शाह (32) ने थोड़ी कोशिश जरूर की, लेकिन बाकी खिलाड़ी रन बनाने के लिए जूझते रहे। पूरी टीम 159 रन पर सिमट गई, और जिम्बाब्वे को मिली पारी व 73 रन की ऐतिहासिक जीत। इस बार रिचर्ड नगारवा ने अपनी धारदार गेंदबाजी से पांच विकेट झटके, जबकि मुजरबानी ने फिर तीन विकेट लेकर अफगानिस्तान को दोहरी मार दी।

रबाडा ने 11वें नंबर पर फिफ्टी लगा रचा इतिहास

रावलपिंडी। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले जा रहे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार अर्धशतक लगाया और इतिहास रच दिया। इस टेस्ट मुकाबले के तीसरे दिन रबाडा ने 61 गेंदों का सामना किया और 71 रन बनाए। इसके साथ ही रबाडा अब टेस्ट क्रिकेट में 11वें नंबर के बल्लेबाज के रूप में सबसे ज्यादा स्कोर बनाने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले यह कारनामा एश्टन एगर, टीनो बोस्ट, जेम्स एंडरसन और जहीर खान ने किया। रबाडा ने पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 38 गेंदों में अर्धशतक ठोककर टेस्ट क्रिकेट में 11वें बल्लेबाज के तौर पर दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

फिर सामने आया योगी की पुलिस का भयावह चेहरा

» प्रतापगढ़ के मानिकपुर थाने के अंदर युवक ने धारदार हथियार से रेता अपना गला

» विपक्ष के निशाने पर भाजपा सरकार, थानाध्यक्ष निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। एकबार फिर यूपी की योगी सरकार की पुलिस का भयावह चेहरा सामने आया। बता दें प्रतापगढ़ के मानिकपुर थाने में चोरी के आरोप में पूछताछ के लिए लाए गए युवक ने धारदार हथियार से अपना गला रेत लिया। घटना के बाद थानाध्यक्ष दीप नारायण को निलंबित कर दिया गया है। इस घटना से जहां विपक्ष के निशाने पर भाजपा सरकार आ गई है।

वहीं राज्य की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठ गया है। उधर घायल युवक को एम्स रायबरेली भेजा गया है। एसपी ने मामले की जांच सीओ कुंडा को सौंपी है और निलंबित थानाध्यक्ष के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए हैं। युवक के लापता होने और थाने में बैठाए जाने के आरोप लगे हैं।

निलंबित थानाध्यक्ष के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश

चोरी के आरोप में पूछताछ के लिए मानिकपुर थाने लाए गए युवक ने गुरुवार भोर थाने के अंदर ही धारदार हथियार से अपना गला रेत लिया। इससे पुलिस महकमे में खलबली मच गई। थानाध्यक्ष दीप नारायण को निलंबित कर दिया गया है। घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए एम्स रायबरेली भेजा गया है। वहां उसका उपचार चल रहा है।

घर से था लापता, 5 दिन से थाने में बैठाने का आरोप

कुंडा कोतवाली के जमेठी गांव निवासी नागेंद्र सिंह का 22 वर्षीय बेटा शिवम सिंह 17 अक्टूबर से लापता था। स्वजन उसकी तलाश में जुटे थे। इसी बीच शिवम के मानिकपुर थाने में पांच दिनों से पूछताछ के लिए बैठाए जाने की जानकारी सामने आई। गुरुवार को सुबह करीब 11 बजे परिवार को यह जानकारी मिली कि शिवम ने थाने के अंदर ही किसी धारदार हथियार से अपना गला रेत लिया है। घबराए हुए स्वजन जब थाने पहुंचे तो उन्हें इस बात की जानकारी दी गई कि युवक रायबरेली भेजा गया है।

घटना से अनजान हैं शिवम की मां

मानिकपुर थाने में अपना गला रेतने वाले युवक शिवम सिंह की मां सावित्री देवी पिछले 5 दिनों से अपने बेटे की तलाश कर रही है। कहीं से जब उसे मानिकपुर थाने में उसके बेटे के होने की सूचना मिली तो वह गुरुवर की सुबह मानिकपुर थाने पहुंची। पुलिस कर्मियों से अपने बेटे की जानकारी लेनी चाही परंतु किसी ने कुछ बताने से इनकार कर दिया। बाहर खड़े लोगों से भी वह पूछती रही की क्या मेरे बेटे शिवम का पुलिस ने चालान कर दिया है। परंतु किसी ने कुछ नहीं बताया इतना ही नहीं अभी तक उसे किसी भी प्रकार की घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। और वह निराश होकर अपने घर की ओर वापस लौट गई।

श्रीनगर जा रहे विमान की वाराणसी में आपात लैंडिंग

» इंडिगो एयरलाइंस के 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस के विमान को शाम ईंधन रिसाव की सूचना के बाद वाराणसी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करनी पड़ी। पुलिस सूत्रों के अनुसार कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) के कारण वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग करानी पड़ी।

उन्होंने बताया कि विमान में ईंधन रिसाव के कारण पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर विमान को शाम चार बजकर 10 मिनट पर सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार विमान में सवार सभी 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। यात्रियों को आगमन कक्ष (एराइवल हॉल) में ले जाया गया है। तकनीकी टीम वर्तमान में विमान की जांच और मरम्मत में जुटी है। स्थिति पूर्णत: सामान्य और नियंत्रण में है।

उड़ान भरने के 5 मिनट बाद ही दिल्ली-पटना स्पाइसजेट फ्लाइट में मचा हड़कंप

आज दिल्ली से पटना जाने वाली स्पाइसजेट उड़ान हादसे का शिकार होने से बाल-बाच बच गई। इस दौरान आसमान में यात्रियों की सांसें अटक गईं। हालांकि, पायलट की सूझबूझ से हादसा टल गया। स्पाइसजेट के मुताबिक पटना जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ान को गुरुवार (23 अक्टूबर) को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दिल्ली वापस लौटना पड़ा, क्योंकि चालक दल को तकनीकी खराबी का संदेह था। बोइंग 737-8 विमान को विस्तृत निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है और जांच अभी जारी है। प्रभावित यात्रियों के लिए एक वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की जा रही है। स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी 160 यात्री सुरक्षित हैं और विमान बिना किसी घटना के दिल्ली वापस उतर गया। एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि फंसे हुए यात्रियों के लिए एक वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई है, जो सुबह 11:30 बजे रवाना हो गई।

अतीक अहमद के बेटे उमर को कोर्ट से लगा झटका

» उमेश पाल हत्याकांड मामले में जमानत अर्जी खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अतीक अहमद के बेटे उमर अहमद को सेशन कोर्ट से झटका लगा है। उमेश पाल हत्याकांड मामले में कोर्ट ने उमर की जमानत अर्जी खारिज कर दी। उमर से वकील ने कोर्ट में दलील दी कि उसका उमेश पाल हत्याकांड से कोई लेना देना नहीं है। उसके ऊपर गलत तरीके से मुकदमा दर्ज किया गया है।

कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद जमानत अर्जी खारिज कर दी। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में हुए चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में उमर अहमद को आरोपी बनाया गया है। उमर पर जेल से उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप है। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के जयंतीपुर इलाके में उमेश पाल और उनके दो गनर की दिनदहाड़े हत्या हुई थी। उमर पर हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोप लगा है। खुद को निर्दोष बताते हुए उमर ने जिला न्यायालय से जमानत की मांग की थी। उमर ने कहा था कि घटना के समय वह लखनऊ जेल में बंद था। हत्याकांड में उसकी कोई भूमिका नहीं है और वो निर्दोष है। हालांकि कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। यह फैसला स्पेशल न्यायाधीश (एससी-एसटी) राम प्रताप सिंह राणा की कोर्ट ने मोहम्मद उमर की जमानत याचिका पर सुनाया।

राज्य का दर्जा देने को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा

» बेरोजगारी, आरक्षण नीति और सुशासन जैसे मुद्दों पर सरकार को चुनौती देंगे

» नौ दिवसीय सत्र श्रीनगर में शुरू विपक्ष का सरकार से सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का नौ दिवसीय सत्र आज गुरुवार से श्रीनगर में शुरू हो गया है और इसके हंगामेदार रहने की पूरी संभावना है। विपक्ष ने साफ संकेत दिए हैं कि वह सरकार से राज्य का दर्जा, बेरोजगारी, आरक्षण नीति और सुशासन जैसे मुद्दों पर सवाल उठाएगा।

ये वही वादे हैं जो सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से किए थे। एनसी सरकार का कहना है कि वह विपक्ष के हर आरोप का तथ्यों के साथ जवाब देने के लिए तैयार है. मुख्यमंत्री और उनके मंत्री विपक्ष के सवालों का जवाब देंगे और सरकार की उपलब्धियों को दस्तावेजों के साथ सदन में

पेश करेंगे। विपक्ष की मंशा इस सत्र को सरकार की जवाबदेही पर केंद्रित करने की है. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने एनसी पर चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया है. बीजेपी के मुताबिक सरकार ने न तो 200 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा निभाया और न ही 12 एलपीजी सिलेंडर प्रति परिवार देने का युवाओं को एक लाख नौकरियां देने का दावा भी अधूरा रह गया। कश्मीर के अन्य विपक्षी दल पीडीपी, पीसी और एआईपी भी राज्य का दर्जा बहाल करने, आरक्षण नीति में बदलाव और क्षेत्रीय असमानताओं के मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाने की तैयारी में हैं. हालांकि विधानसभा सचिवालय ने सज्जाद गनी लोन के राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया है कि मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है।

इस सत्र में तीन बड़े विधेयक चर्चा में रहेंगे

जम्मू-कश्मीर पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 1989वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2017जम्मू-कश्मीर दुकान एवं व्यवसाय प्रतिष्ठान विधेयक, 2025विधानसभा सचिवालय के अनुसार, अब तक 450 प्रश्न, 13 निजी विधेयक और 55 निजी संकल्प प्राप्त हुए हैं. 28 अक्टूबर को निजी सदस्यों के संकल्पों पर चर्चा का दिन तय किया गया है, जिसमें विपक्ष सरकार को घेरने की पूरी कोशिश करेगा।

त्रिपुरा में 24 घंटे के बंद से जनजीवन बेहाल, कानून व्यवस्था को लेकर बवाल

» टिपरा मोथा पार्टी ने कहा- यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अगरतल्ला। त्रिपुरा सिविल सोसाइटी ने गुरुवार (23 अक्टूबर) को 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के विधायक रंजीत देबबर्मा ने कहा कि बंद को लागू करने के लिए राज्य भर में 25 स्थानों पर बैरिकेड्स लगाए जाएँगे।

अगरतला के प्रमुख स्थानों, जैसे सर्किट हाउस, उत्तरी द्वार और राज्य विधानसभा, पर भी बैरिकेड्स लगाए जाएँगे। देबबर्मा ने कहा, यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है जहाँ सभी वर्ग के लोग राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर बंद में शामिल होंगे। हम अपनी माँगों के समर्थन में इस बंद को शांतिपूर्ण ढंग से सफल बनाने के लिए तैयार हैं। टिपरासा सिविल सोसाइटी द्वारा आहूत 24 घंटे के राज्यव्यापी बंद के बाद आज त्रिपुरा में व्यापक तनाव और व्यवधान देखा गया।

सीएम डॉ. माणिक साहा ने बंद पर तीखी प्रतिक्रिया दी

मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने बंद पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि त्रिपुरा में जनजीवन सामान्य रहेगा और सरकारी कर्मचारियों को ड्यूटी पर आना होगा। हालांकि, कई कर्मचारी सुबह से ही पुलिस प्रतिबंधों और सड़क अवरोधों के बीच सड़कों पर असहाय होकर फंसे हुए थे। नागरिकों ने आरोप लगाया कि पुलिस, सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के बजाय, वाहनों और यात्रियों को लंबे रास्तों से, खासकर अगरतला के उत्तरी गेट क्षेत्र के पास, डायवर्ट कर रही थी।

भाजपा के प्रमुख संगठनों की चुप्पी पर उठे सवाल

आलोचकों ने आरोप लगाया कि नागरिक समाज द्वारा आहूत इस बंद को टिपरा मोथा का मौन समर्थन प्राप्त था और राज्य मशीनरी के कुछ हिस्सों ने अप्रत्यक्ष रूप से इसमें मदद की, जबकि पुलिस केवल मूकदर्शक बनी रही। सोशल मीडिया पर विपक्षी आवाजों ने भाजपा के प्रमुख संगठनों की चुप्पी पर सवाल उठाए और प्रशासन पर दोहरे मापदंड अपनाने और बंद की सफलता सुनिश्चित करने के लिए गुप्त सहयोग करने का आरोप लगाया।

कथित तौर पर टिपरा मोथा कार्यकर्ताओं द्वारा समर्थित इस आंदोलन के कारण नाकाबंदी, विरोध और प्रशासनिक निष्क्रियता की कई घटनाएँ हुईं, जिससे जनता में आक्रोश फैल गया और राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठने लगे। बरमुरा हिल्स में, तेलियामुरा उप-मंडल अस्पताल की एक एम्बुलेंस को कथित तौर पर बंद समर्थकों ने रोक दिया, जिससे उसे अपने गंतव्य तक पहुँचे बिना ही अस्पताल लौटना पड़ा। स्थानीय लोगों ने इस कृत्य की निंदा करते हुए इसे अमानवीय बताया, जबकि पर्यवेक्षकों ने मुख्यमंत्री द्वारा सामान्य स्थिति बनाए रखने के बार-बार निर्देशों के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना की। इस बीच, बंद समर्थकों ने जिरानिया के बिरगुदास इलाके में अगरतला-करीमगंज एक्सप्रेस रोक दी। टिपरासा सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर रेलवे पटरियों पर विरोध प्रदर्शन किया। इससे रेल यातायात अस्थायी रूप से ठप हो गया और आसपास के इलाकों में तनाव पैदा हो गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।